उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
पूरक परीक्षा – जुलाई, 2015
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – **XII**

कूटबंध – 29/1
29/2
29/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
1.	1. क	2. क	1. क	**खंड –'क'** **अपठित गद्यांश–** • ग्राम समुदाय, कुल या सम्मिलित परिवार जैसे सुसंगठित समूह से जुड़ कर सुरक्षा की भावना।	2
	ख	ख	ख	• औद्योगीकरण, व्यापार का विकास, यातायात और संचार तथा आधुनिक शिक्षा के कारण, पारंपरिक समूहों से अलगाव।	2
	ग	ग	ग	• जहाँ पुरानी दुनिया लड़खड़ा कर टुकड़े–टुकड़े हो रही है, ऐसे अव्यवस्थित एवं प्रतिस्पर्धापूर्ण जगत में केवल अपनी सूझ–बूझ और क्षमता से आत्म विकास की सुविधा नहीं खोज पा रहा है।	2
	घ	घ	घ	• बढ़ती असमानताएँ, फैलते अलगाव, वर्ग–विरोध, आय में असमानता, आर्थिक विषमता, भ्रष्टाचार, स्वार्थ–साधना तथा हिंसा आदि। (किन्हीं चार का उल्लेख अपेक्षित)	2

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	ङ	ङ	ङ	• निराशा, कुंठा को दूर कर, बुराई–उत्पीड़न तथा हिंसा को समाप्त कर जीवन को शुद्ध बनाने में।	2
	च	च	च	• मानव व्यक्तित्व को विकृत करने वाली सामाजिक परिस्थितियों को बदलने के लिए अटूट संघर्ष चलने से।	2
	छ	छ	छ	• आज का मनुष्य/मनुष्य का आज का जीवन (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य है)।	1
	ज	ज	ज	• वि, इत।	1
	झ	झ	झ	• पुरानी दुनिया लड़खड़ा रही है और टुकड़े–टुकड़े हो रही है।	1
					1x5=5
2.	2.	1.	2.		
	क	क	क	• असफल लोगों ने सोद्देश्य जीवन पथ पर आगे बढ़ने का साहस किया।	1

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
	ख	ख	ख	• रणभूमि में लड़ कर हारना।	1
	ग	ग	ग	• जो सीमित शक्ति और साधन के बावजूद बड़ी चुनौतियाँ स्वीकार करते हैं।	1
	घ	घ	घ	• देशहित आत्म बलिदान करने वालों को।	1
	ङ	ङ	ङ	• शिखर चढ़ने के प्रयास में कुछ लोगों की बर्फ में ही मृत्यु हो गई और कुछ बिना चढ़े वापस आए। यानि कुछ लोग संघर्ष करते हुए मारे गए और कुछ लोग हार गए।	1
				खंड – ख	
3.	3.	3.	3.	किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित– • भूमिका एवं उपसंहार 1 • विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन 6 • उपसंहार 1 (तीन बिंदुओं का प्रतिपादन) • प्रस्तुति शैली व विषयानुरूप शुद्ध भाषा 1+1	10
4.	4.	5.	5	पत्र–लेखन–	5

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ – 1 • प्रश्नानुसार विषय–वस्तु – 3 • भाषा विषयानुरूप एवं प्रभावी – 1	
5.	5.	4.	6.	आलेख लेखन– • विषय वस्तु – 2 • आकर्षक प्रस्तुति एवं उसका प्रभाव –2 • भाषा – 1	5
6.	6.	6.	4.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–	1x5=5
	क	क	ङ	• समाचार समसामयिक घटनाओं और विचारों की अविलंब सूचना है जिसमें नवीनता, जनरुचि निकटता आदि तत्वों का विशेष महत्व है।	1
	ख	ख	क	• इंटरनेट पर समाचार पत्रों का प्रकाशन या समाचार का आदान–प्रदान।	1
	ग	ग	ग	• कोई बड़ी खबर या नवीनतम घटना की तत्काल सूचना कम से कम शब्दों में।	1
	घ	घ	घ	• उल्टा पिरामिड शैली।	1
	ङ	ङ	ख	• समाचार तथ्यात्मक और वस्तुनिष्ठ होते हैं, उल्टा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं।	½+½

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• फीचर सृजनात्मक ओर मनोरंजक होते हैं, कथात्मक शैली में लिखे जाते हैं। (दोनों के एक–एक लक्षण का उल्लेख अपेक्षित)	
7.	7.	8.	7.	**खण्ड–ग** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या– • प्रसंग – 1 • संदर्भ –1 • व्याख्या –5 • विशेष –1 जननी.....मैया कवि – तुलसीदास कविता – 'पद' **प्रसंग** – राम वन–गमन के बाद कौशल्या द्वारा राम की प्रिय वस्तुओं को देख कर स्मृतिजन्य वेदना का अनुभव। **व्याख्या बिंदु –** • श्री राम के छोटे–छोटे धनुष–बाण और जूतों को देख कर हृदय से लगाना। • माता कौशल्या भाव–मग्न होकर राम की अनुपस्थिति भूल जाती है। • शयन कक्ष में जाकर मित्रों और अनुज के खड़े होने का समाचार दे कर उन्हें जगाना।	8

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• राजा दशरथ के पास राम से जाने का आग्रह करना। • रुचि के अनुसार भोजन ग्रहण करने का आग्रह करना। **<u>विशेष</u>** – • ब्रज भाषा का सहज एवं सुंदर प्रयोग। • वात्सल्य रस। • उत्प्रेक्षा अलंकार। • अनुप्रास अलंकार।	
अथवा	अथवा	अथवा		**अथवा** दुख ही.....तेरा तर्पण। कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता – सरोज–स्मृति प्रसंग – भाग्यहीन पिता निराला का जीवन संघर्ष, बेटी के आकस्मिक निधन पर विलाप। व्याख्या बिंदु– • संघर्ष भरा जीवन दुखों की कहानी रहा जिसे कभी व्यक्त नहीं किया। • जीवन में धर्म पर चल कर कवि–कर्म किया लेकिन तुम्हें सुख न दे सका। • सभी अच्छे कार्य वैसे ही असफल हो गए जैसे ओले गिरने से कमल की पंखुड़ियाँ नष्ट हो जाती हैं। • अपने पुण्य कर्मों का तुम्हें अर्पण कर तुम्हारा तर्पण कर रहा हूँ।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				विशेष– • खड़ी बोली, मुक्त छंद। • तत्सम शब्दों का प्रयोग। • वेदना की अभिव्यक्ति। • शीत के से शतदल–उपमा अलंकार क्या कहूँ.....नहीं कही– वक्रोक्ति अलंकार। • अनुप्रास अलंकार।	3+3=6
8.	8.			**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	
	क	–	–	• कवि देखता हे कि ऐसी परिस्थितियाँ हैं जिनमें चोट खा कर संघर्ष करने वालों के भी होश खो गए, मूल्यवान लुट रहा है, बुराइयों के जहर से भरे संसार में मानवता हाहाकार कर रही है और जिजीविषा खत्म हो गई है। • कवि इन सभी वेदनाओं व पीड़ाओं को छिपाने– रोकने के लिए गीत गाना चाहता है जिससे निराशा के मध्य आशा का संचार हो सके।	1½+1½
	ख	–	–	• कवि वसंत ऋतु के प्रभाव का वर्णन करते हुए सुख–समृद्धि और सम्पन्नता के आगमन का संकेत करता है। • भिखारियों के खाली कटोरों में बसंत के प्रभाव से दान–दक्षिणा, अन्न–धन आदि भर जाते हैं।	1½+1½ 3

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	ग	—	—	• नायक के वियोग में नायिका व्याकुल है। ऐसे में संयोग के दिनों में आनंद देने वाले भौंरों और कोयल की ध्वनि उसे ओर विरहातुर कर रही है। अतः नायिका कानों पर हाथ रख कर उन ध्वनियों को सुनना नहीं चाहती।	
—	7. क	—		• देवसेना स्कंद गुप्त के निवेदन को ठुकराने के बाद जानती है कि अच्छे भविष्य की कल्पना व्यर्थ है, फिर भी उसके हृदय में मधुर कल्पनाएँ जन्म लेती हैं। मन में भावी सुख की आशा जगती है जिसकी पूर्ति संभव है अतः अपनी आशा को बावली कहती है।	3
—	ख	—		• बनारस में अचानक बसंत का आगमन, धूल उड़ती है, बवंडर उठते हैं। • दशाश्वमेघ घाट के पत्थर भी मुलायम हो जाते हैं, कठोर मन में भी कोमल भावों का प्रस्फुटन। • बंदरों की आँखों में नमी। • अभावग्रस्त भिखारियों में भी खुशी । • चारों ओर का जीवंत वातावरण। • बाह्य और आंतरिक परिवर्तन।	1+1+1
—	ग	—		• भरत निर्मल हृदय के व्यक्ति। • राम के प्रति अटूट भ्रातृ–भक्ति।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• अपने संबंधों पर गहरा विश्वास। • अपने दुर्भाग्य का दोष दूसरों पर न डाल, स्वयं को ही दोषी मानना। • विशाल हृदयता, उदारता के परिचायक।	1+1+1
	–	–	8 क	• भारत की प्राकृतिक, सांस्कृतिक विशेषताओं का वर्णन। • भारत देश लालिमा, उत्साह से परिपूर्ण। • सूर्योदय का दृश्य आकर्षक मनोहारी। • रक्तिम किरणों का वृक्ष की चोटियों पर झूमना। • विदेशी पक्षियों व लोगों का अपनत्व भरा आगमन। (किन्हीं तीन का उल्लेख अपेक्षित)	1+1+1
	–	–	ख	• भरत और राम के बीच अटूट भ्रातृ–प्रेम। • राम की भरत पर विशेष कृपा। • गहरा विश्वास, राम तो खेल में भी कभी–कभी न निकालते। • बचपन से ही सदैव साथ रहना। • परस्पर उदारता–राम जान बूझ कर हार जाते ताकि भरत जीत जाएँ। • भरत के नेत्र राम के दर्शन के लिए लालायित। (किन्हीं तीन का उल्लेख अपेक्षित)	1+1+1
	–	–	ग		

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• अगहन मास में दिन छोटे, रातें बड़ी होने से नागमती पति वियोग में दीपक के बाती की तरह जलती है।। • सभी वस्त्राभूषणों द्वारा शीत रक्षा का शृंगार करते हैं लेकिन नागमती उदासीन है। • ठंड़ी अग्नि विरहिन नागमती के हृदय को जलाती है।	1+1+1
9	9.	10.	9.	किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य अपेक्षित। • काव्य सौंदर्य : • भाव सौंदर्य। – 1½ • शिल्प सौंदर्य। – 1½	3+3=6
क	क	क		• सूने विराट के सम्मुख..... दाग से। <u>भाव सौंदर्य–</u> • बूँद की क्षणभंगुरता द्वारा। जीवन में क्षण के महत्व की व्याख्या। • बूँद द्वारा स्वछंदता के आनंद के साथ नश्वरता के दाग से मुक्ति पाना। • विराट के प्रकाश में मृत्यु के भय से मुक्ति। शिल्प सौंदर्य :– • भाषा–खड़ी बोली। • तत्सम शब्दावली। • मुक्त छन्द।	1½+1½

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• 'आलोक छुआ हुआ अपनापन'—अनुप्रास अलंकार। • बिंबात्मकता। • प्रतीकात्मकता।	
9.	ख	ख	ख	किसी अलक्षित..... यह शहर। **<u>भाव सौंदर्य—</u>** • बनारस में सदियों से आस्था भाव, श्रद्धा व भक्ति का क्रम चला आ रहा है। • ये स्तंभ मानों भक्तों के उठे हाथ है जो सूर्य को अर्ध्य दे रहा हों। • यह शहर दुनियादारी से निश्चिंत बेखबर है। **<u>शिल्प सौंदर्य :—</u>** • भाषा—खड़ी बोली। • मुक्त छंद। • मानवीकरण अलंकार (बनारस का)। • बिंबात्मकता।	1½+1½
	ग	ग	ग	सौर सुपेती.....हिवंचल बूड़ी।। भाव—सौंदर्य :— • पूस माह की शीत में विरह की वेदना बढ़ जाती है। • अब रजाई ओढ़ने पर भी शरीर ऐसे काँपता है जैसे जूड़ी का बुखार हुआ हो।	1½+1½

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• शीत और आँसुओं के कारण बिस्तर हिमालय के समान बर्फीला हो गया हो। <u>शिल्प–सौंदर्य :</u> • अवधी भाषा। • चौपाई छंद। • रस–वियोग श्रृंगार। • 'सौर–सुपेती'– अनुप्रास अलंकार। • 'जानहु सेज'– उत्प्रेक्षा अलंकार।	
10	10.	9.	10.	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या– • प्रसंग – 1 • संदर्भ – 1 • व्याख्या बिंदु– 4 धर्म के रहस्य.....तुमसे नहीं होगा। लेख – 'घड़ी के पुर्जे' / सुमरिनी के मनके लेखक – पं॰ चंद्रधर शर्मा गुलेरी संदर्भ – धर्म के रहस्यों को जानने पर धर्म उपदेशकों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के लिए घड़ी का दृष्टांत। व्याख्या बिंदु – • धर्माचार्यों के अनुसार धर्म के रहस्य जानने की इच्छा करने की जरूरत नहीं है। • धर्माचार्य घड़ी का उदाहरण देते हे कि समय बताने वाली घड़ी को देखना नहीं	6

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				आता हो तो जानने वाले से पूछ कर काम चलाओ। ऐसे ही स्वयं धर्म को जानने की इच्छा मत करो। • धर्म के रहस्यों को जानने का काम विशेषज्ञों का है, साधारण व्यक्ति का नहीं • धर्माचार्य अपने महत्व को प्रतिपादित करने का प्रयास करते जान पड़ते हैं। विशेष – • धर्म के ठेकेदारों पर व्यंग्य। • विषयानुसार भाषा। • तत्सम शब्दों का प्रयोग।	
अथवा	अथवा	अथवा		**अथवा** ''मैं तो केवल.....संन्यास ले लिया।'' लेख – कच्चा चिट्ठा लेखक –ब्रज मोहन व्यास संदर्भ – लेखक का अपने श्रम–कौशल और अथक प्रयासों से विशाल संग्रहालय स्थापित कर समाज को सौंपना। व्याख्या बिन्दु– • धन, भूमि, पुरातत्व वस्तुओं का संग्रह आदि की पृष्ठभूमि के पीछे लेखक का श्रम, कौशल व प्रयास। • संग्रहालय की स्थापना व विकास वैसे ही	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				जैसे अपने पुत्र का जन्म लालन–पालन आदि। • संग्रहालय के संचालन एवं विकास हेतु डा॰ सतीश चंद्र काला की नियुक्ति। • संग्रहालय कार्य से लेखक का स्वयं संन्यास लेना। **विशेष –** • खड़ी बोली। • तत्सम शब्दावली। • प्रतीकात्मक शब्दों का प्रयोग। • लेखक की विनम्रता एवं उदारता प्रकट होती है।	
11.	11 क	–	–	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–** • चौधरी प्रेमघन की आकर्षक व्यक्तित्व, लंबे बाल। • चौधरी साहब की रईसी, रियासत और तबियतदारी का वर्णन। • उत्सव प्रेमी–वसंत पंचमी, होली आदि पर विशेष आयोजन।। • छोटे–छोटे कार्यों के लिए भी नौकरों पर निर्भर। • संवाद का विशिष्ट लहजा। • नागरी भाषा विकास हेतु संघर्ष (किन्हीं चार का उल्लेख अपेक्षित)।	4+4=8
	ख			• प्रजापति की भाँति कवि भी अपने पात्रों की	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				रचना करता है। • प्रजापति की रचना से असंतुष्ट होकर कवि नई रचना करता है। • अच्छे के साथ बुरे चरित्र, पात्र रख कर आदर्श का प्रकाशन। • लोगों की उदासीनता एवं निराशा को दूर कर लड़ने की प्रेरणा।	
ग				• भारतीय समाज की विशिष्ट बुनावट, मनुष्य और संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध। • शासकों द्वारा पश्चिम के उपयोगितावादी विकास प्रारूप को स्वीकार करना। • स्वतंत्रता के बाद शासकों ने अन्य बातों को ध्यान में रखे बिना औद्योगीकरण के मार्ग को चुना। • भारतीय स्वरूप को नहीं समझ पाने की ट्रेजडी।	
–	12 क	–		• संध्या के समय हर की पौड़ी पर गंगा जी की आरती। • सहस्र दीप जल उठते। • पुजारी हाथ में अँगोछा लपेट कर पंच मंजिली नीलांजलि से आरती करते। • आरती गाना, घंटे–घड़ियाल की ध्वनियाँ। • लोग मनौतियों के लिए दोनों में फूल, दीप	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				एवं पैसे रख कर गंगा में प्रवाहित करते। • गंगा पुत्र दोनों में रखा पैसा मुँह से उठा लेते।	
			ख	• कुटज स्वाभिमान से जीना सिखाता है। • अपराजेय जीवनशक्ति, विषय परिस्थितियों में स्वीकारना। • अपने मन पर सवार हो कर सुख ओर परवश में होकर दुख मिलना। • आत्मोन्नति के लिए अंध विश्वास, पाखंड या चापलूसी नहीं करना। (किन्हीं चार का उल्लेख अपेक्षित)	
			ग	• साहित्य से जुड़कर मानसिक शांति के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा। • नई उमंग, नए उत्साह से समाज की कुरीति, भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए तत्परता। • भविष्य के प्रति आशा जगा कर मार्ग दिखाना। • आत्म विश्वास तथा दृढ़ता प्राप्त कर उन्नति और विकास के लिए उत्साहित होना।	
	—	—	11 क	• रटे–रटाए उत्तर दे कर सबको चमत्कृत करने वाले बालक का शारीरिक और मानसिक विकास अवरुद्ध होना।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• इनाम माँगने के लिए कहे जाने पर बालक के मुख पर भावों में परिवर्तन होना। हृदय में बनावटी और स्वाभाविक भावों में संघर्ष। • अवसर पा कर बालक द्वारा लडडू माँगना एवं लेखक द्वारा उसके बचपन के बचने की आशा करना। • जीवित वृक्ष के पत्रों का उदाहरण दे कर बच्चों को स्वाभाविक रूप से शिक्षा ग्रहण करने देने पर बल देना।	
			ख	• लेखक गाँधी जी से मिलने एवं बात करने के लिए उत्सुक लेकिन अपरिचय के कारण सकुचाया था। • भाई बलराज ने गाँधी जी से परिचय कराया, लेखक ने उनसे अपने शहर रावलपिंडी की चर्चा की। • लेखक के प्रति गाँधी जी का मित्रवत् एवं सहज व्यवहार।	
			ग	• संभव को वहाँ बिक रही बिंदियाँ पहली बार बहुत आकर्षक लगीं। • गुलाबी रंग के प्रति तीव्र आकर्षण के कारण गुलाबी केबल कार में बैठना। • चढ़ावा खरीद कर नहीं लाने का अफसोस होना। • नीचे की रंग–बिरंगी वादियों में मन रम जाना।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
12.	12.	11.	12.	लेखक / कवि जीवन परिचय अंक विभाजन– क. संक्षिप्त जीवन परिचय। 2 ख. रचनाएँ (दो रचनाएँ)। 2 ग. काव्यगत विशेषताएँ / भाषागत विशेषताएँ। 2 **<u>असगर वजाहत</u>** 6 संक्षिप्त जीवन परिचय – • जन्म फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में। • प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में हुई। उन्होंने एम• ए•(हिन्दी) ओर पीएच•डी• अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से। • सन् 1955–56 से लेखन कार्य प्रारंभ किया। • लघु कथा, नाटक, उपन्यास, कहानी के साथ फिल्मों और धारावाहिकों के लिए पट कथा लेखन का काम भी किया। रचनाएँ – दिल्ली पहुँचना है, स्विमिंग पुल और सब कहाँ कुछ, आधी बानी, मैं हिन्द हूँ। (कहानी संग्रह) फिरंगी लौट आए, इन्ना की आवाज़, वीरगति, समिधा, जिस त्यौहार नई देख्या तथा अकी(नाटक), सबसे सस्ता गोश्त (नुक्कड़ नाटकों का संग्रह) और रात में जागने वाले, पहर दोपहर तथा सात आसमान, कैसी आगि लगाई(प्रमुख उपन्यास)।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				साहित्यक विशेषताएँ– • भाषा में गाम्भीर्य, सबल भावाभिव्यक्ति एवं व्यंग्यात्मकता है। • मुहावरों तथा तद्भव शब्दों के प्रयोग से सादगी आ गई है। • उनकी लघुकथाओं में प्रतीकात्मकता है। प्रतीकों के द्वारा उन्होंने व्यवस्था, मजदूरों के शोषण, किसानों की दुर्दशा आदि पर व्यंग्य किया है। पर्याप्त मात्रा में तत्सम और उर्दू शब्दों का प्रयोग भी मिलता है।	
–	–	12		<u>रामविलास शर्मा</u> संक्षिप्त जीवन परिचय– • जन्म उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में। • लखनऊ विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. तथा पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। • लखनऊ एवं आगरा में अंग्रेजी के प्राध्यापक रहे। • साहित्य, समाज और इतिहास से संबंधित चिंतन और लेखन। • पुरस्कार– भारत–भारती, साहित्य अकादमी, व्यास सम्मान, शलाका सम्मान। रचनाएँ – 'भारतेंदु और उनका युग','महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नव जागरण', 'प्रेमचंद और उनका युग', निराला की साहित्य साधना' (तीन खंडों में), 'भाषा और समाज' आदि।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				साहित्यिक विशेषताएँ– • हिन्दी की प्रगतिशील आलोचना को सुव्यस्थित करने एवं नई दिशा देने का कार्य। • साहित्य चिंतन के केन्द्र में भारतीय समाज का जन जीवन उसकी समस्याएँ और उसकी आकांक्षाएँ रही हैं। • विचार प्रधान और व्यक्ति व्यंजक निबंधों की रचना। • स्पष्ट कथन, विचार की गंभीरता और भाषा की सहजता उनकी निबंध–शैली की प्रमुख विशेषताएँ हैं।	
–	11 अथवा	–		**अथवा** **निर्मल वर्मा (1929–2005)** जन्म एवं जीवन परिचय – • शिमला (हिमाचल प्रदेश) में जन्म। • दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में एम.ए. किया और फिर अध्यापन कार्य। • चेकोस्लोवाकिया के प्राच्य–विद्या संस्थान प्राग के आमंत्रण पर वहाँ गए और चेक उपन्यासों और कहानियों का हिंदी अनुवाद किया। • हिंदी के समान ही अंग्रेजी पर पूर्ण अधिकार। • 'टाइम्स ऑफ इंडिया' तथा 'हिन्दुस्तान	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				टाइम्स' के लिए यूरोप की सांस्कृतिक व राजनीतिक समस्याओं पर लेख व रिपोर्ताज लेखन। • 1970 में वे भारत लौट आए और स्वतंत्र लेखन करने लगे। • नई कहानी आंदोलन के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर। रचनाएँ – 'जलती झाड़ी', 'परिंदे', 'वे दिन', 'शब्द और स्मृति', 'ढलान से उतरते हुए', 'तीन एकांत', 'पिछली गरमियों में', 'कव्वे और काला पानी', 'बीच बहस में', ' सूखा तथा अन्य कहानियाँ', 'लाल टिन की छत', 'एक चिथड़ा सुख', 'अंतिम अरण्य', रात का रिपोर्टर', कला का जोखिम', आदि। काव्यगत विशेषताएँ– • विचार – सूत्र की गहनता। • भाषा में उर्दू एवं अंग्रेजी के शब्दों का स्वाभाविक एवं सटीक प्रयोग। • शब्द चयन में जटिलता नहीं। • वाक्य रचना में मिश्र और संयुक्त वाक्यों की प्रधानता। • भाषा–शैली में अनेक नवीन प्रयोगों की	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				झलक। (कोई दो बिन्दु अपेक्षित हैं।) **अथवा** **ममता कालिया** जन्म एवं जीवन परिचय – • मथुरा, उत्तर–प्रदेश में जन्म। • नागपुर, पुणे, इंदौर आदि से शिक्षा। • अंग्रेजी विषय से एम.ए. दिल्ली विश्वविद्यालय। • भारतीय भाषा परिषद्, कलकत्ता की निदेशक रहीं, अभी स्वतंत्र लेखन। • साहित्यभूषण एवं कहानी सम्मान। रचनाएँ – बेघर, प्रेम कहानी, लड़कियाँ, नरक दर नरक, दौड़, एक पत्नी के नोट्स आदि (उपन्यास), 12 कहानी संग्रह जो संपूर्ण कहानियाँ (दो खंड) में प्रकाशित, पच्चीस साल की लड़की, थियेटर रोड के कौवे (कहानी संग्रह) साहित्यिक विशेषताएँ– • समकालीन जीवन एवं स्त्री जीवन पर लेखन। • युवामन की संवेदनाओं का अंकन।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	—	—	अथवा	• विषय के अनुरूप सहज भावाभिव्यक्ति। • सटीक व्यंग्य प्रयोग। • अभिव्यक्ति की सरलता और सुबोधता। **अथवा** **फणीश्वर नाथ रेणु** जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म 1921 बिहार के पूर्णिया जिले के औराही हिंगना नामक गाँव में हुआ। • 1942 के 'भारत छोड़ो' स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया। • राजनीति में प्रगतिशील विचारधारा के समर्थक। • 1953 में ये साहित्य–सृजन के क्षेत्र में आए और उन्होंने कहानी, उपन्यास, निबंध आदि विविध साहित्यिक विधाओं में लेखन कार्य किया। • भारत के प्रख्यात आँचलिक कथाकार। रचनाएँ– कहानी–संग्रह– 'ठुमरी', 'अग्निखोर', 'आदिम रात्रि की महक', 'तीसरी कसम'। उपन्यास – 'मैला आँचल', 'परती परिकथा'। (कोई दो सोदाहरण अपेक्षित) साहित्यिक विशेषताएँ– • अंचल विशेष को आधार बना कर आँचलिक शब्दावली और मुहावरों	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				तथा वहाँ के जीवन और वातावरण का चित्रण। • गहन मानवीय संवेदना के कारण अभावग्रस्त जनता की बेबसी और पीड़ा को स्वयं भोगते से लगना। • अपनी रचनाओं के द्वारा प्रेमचंद की विरासत को नई पहचान और भंगिमा प्रदान करना। • उनकी कला – सजग आँखें, गहरी मानवीय संवेदना और बदलते सामाजिक यथार्थ की पकड़ की एक अलग ही पहचान। • शिल्प और संवेदना में भिन्न हिंदी कहानी – परंपरा को जन्म। • भाषा संवेदनशील, संप्रेषणीय एवं भाव प्रधान। • मर्मांतक पीड़ा और भावनाओं के द्वंद्व को उभारने में भाषा सहायक। (किन्हीं दो विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख)	
	अथवा	–	–	**अथवा** **<u>केदारनाथ सिंह</u>** जन्म और जीवन–परिचय– • जन्म बलिया जिले के चकिया गाँव में।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• काशी हिंदू विश्वविद्यालय से हिंदी में एम.ए. • काशी हिंदू विश्वविद्यालय से ही 'आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। • कुछ समय गोरख पुर में हिंदी के प्राध्यापक रहे, फिर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा केंद्र में हिंदी के प्रोफेसर के पद से अवकाश प्राप्त। • संप्रति दिल्ली में रह कर स्वतंत्र लेखन। • मैथिलीशरण गुप्त राष्ट्रीय सम्मान, कुमारन आशान, व्यास सम्मान, दयावती मोदी पुरस्कार, 'अकाल में सारस' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार। रचनाएँ– 'अभी बिल्कुल अभी', 'जमीन पक रही है', 'यहाँ से देखो', 'अकाल में सारस', 'उत्तर कबीर तथा अन्य कविताएँ, 'बाघ' (काव्य–संग्रह), 'कल्पना और छायावाद' (आलोचनात्मक पुस्तक), 'मेरे समय के शब्द', 'कब्रिस्तान में पंचायत' (निबंध–संग्रह), 'ताना–बाना' (विविध भारतीय भाषाओं का हिंदी में अनूदित काव्य संग्रह, जो हाल ही में प्रकाशित हुआ है। (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित) काव्यगत विशेषताएँ–	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
अथवा	–	–	–	• मूलतः मानवीय संवेदनाओं के कवि। • बिंब–विधान पर अधिक बल। • कविताओं में विद्रोह का शांत और संयत स्वर। • संवेदना और विचार–बोध दोनों साथ–साथ। • उनकी कविताओं में रोजमर्रा के जीवन के अनुभव परिचित बिंबों में बदलते दिखाई देना। भाषा–शैली– • भाषा नम्य और पारदर्शी। • बिंबात्मकता। • भाषा में नयी ऋजुता और बेलौसपन। • शिल्प में बातचीत की सहजता और अपनापन। (किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित है।) **अथवा** **<u>सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म बंगाल के मेदिनीपुर जिले में। • आर्थिक संकटों, संघर्षों तथा जीवन की यथार्थ अनुभूतियों ने निराला जी के जीवन की दिशा मोड़ दी।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• वे गंभीर दार्शनिक, आत्माभिमानी एवं मानवतावादी थे। रचनाएँ– **काव्य** – 'परिमल', 'तुलसीदास', 'अनामिका', 'अर्चना', 'आराधना', 'गीतिका', 'कुकुरमुत्ता' आदि। **उपन्यास** – 'अलका', 'अप्सरा', 'निरूपमा', 'प्रभावती' आदि। **कहानी** – 'लिली', 'सखी', 'अपने घर', 'सुकुल की बीबी' आदि। **निबन्ध** – 'प्रबंध प्रतिभा', 'प्रबंध पद्य', 'चाबुक' आदि। **रेखाचित्र** – 'कुल्लीभाट', 'बिल्लेसुर बकरिहा' आदि। **जीवनी** – 'राणा प्रताप', 'भीष्म', 'महाभारत', 'ध्रुव', 'प्रह्लाद' आदि। अनूदित – 'कपाल', 'चन्द्रशेखर', 'कुंडल' आदि। (कोई दो अपेक्षित हैं।) काव्यगत विशेषताएँ– • बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। • इनके काव्य में शक्ति, पौरुष, शृंगार, दार्शनिकता, मानवता के प्रति करुणा, संवेदना और टीस है। • छायावादी, रहस्यवादी, प्रगतिवादी, मानवतावादी दृष्टिकोण।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• छायावादी और हिन्दी की स्वच्छंदतावादी कविता के प्रमुख आधार स्तंभ। • भारतीय इतिहास, दर्शन और परंपरा का व्यापक बोध। • समकालीन जीवन के यथार्थ के विभिन्न पक्षों का चित्रण। • भावों और विचारों की विविधता, व्यापकता और गहराई। • मुक्त छंद के प्रवर्तक। भाषा–शैली – • भाषा खड़ी बोली। • संस्कृतनिष्ठ शब्दों की प्रधानता। • संगीतात्मकता के गुण। • सरल, बोधगम्य भाषा। फारसी और अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग। • शैली ओज एवं प्रभावपूर्ण तथा मौलिक। (किन्हीं दो का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित) **<u>रघुवीर सहाय (1929–1990)</u>**	
–	–	11.		जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में हुआ। • संपूर्ण शिक्षा भी लखनऊ में ही। • शिक्षा – अंग्रेजी साहित्य में एम.ए.।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• कार्यक्षेत्र 'प्रतीक' में सहायक संपादक। 'दिनमान' पत्रिका का संपादन। • आकाशवाणी के समाचार विभाग में भी रहे। • हैदराबाद से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'कल्पना' के संपादन से भी जुड़े रहे। रचनाएँ– 'सीढियों पर धूप में', 'हँसो हँसो जल्दी हँसो'–रचनावली छह खंडों में प्रकाशित। 'नई कविता' के कवि, अज्ञेय द्वारा संपादित दूसरा सप्तक में संकलित। साहित्यिक विशेषताएँ– • नयी कविता के कवि। • कविता के अतिरिक्त रचनात्मक और विवेचनात्मक गद्य लेखन भी। • काव्य–संसार में आत्मपरक अनुभवों की जगह जन जीवन के अनुभवों की रचनात्मक अभिव्यक्ति अधिक। • व्यापक सामाजिक संदर्भों के निरीक्षण, अनुभव और बोध की कविताओं में अभिव्यक्ति। • मानवीय पीड़ाओं की अभिव्यक्ति। भाषा–शैली – • काव्य–दृष्टि के अनुरूप ही इनके द्वारा अपनी नयी काव्य–भाषा का विकास।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• काव्य – भाषा सटीक, दो टूक और विवरण प्रधान। • अनावश्यक शब्दों के प्रयोग का अभाव। • भयाक्रांत अनुभव की आवेगरहित अभिव्यक्ति। • कविता की संरचना में कथा या वृत्तांत का उपयोग। (कोई दो सोदाहरण अपेक्षित) **अथवा**	
	–	–	अथवा	**विष्णु खरे** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म छिंदवाड़ा। • क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी–साहित्य में एम.ए.। • इंदौर समाचार – उप सम्पादक। • दिल्ली तथा मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में अध्यापन, लघु पत्रिका 'व्यास' का संपादन, साहित्य अकादमी में उप सचिव, नवभारत टाइम्स में कार्यकारी सम्पादक। • नवभारत टाइम्स, जयपुर के संपादक, जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय तथा पुस्तकालय–दो वर्ष वरिष्ठ अध्येता, स्वतंत्र लेखन, अनुवादक ।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				रचनाएँ – टी.एस. इलियट का अनुवाद–'मेरू प्रदेश और अन्य कविताएँ', कविता संग्रह – 'एक गैर–रुमानी समय में', 'खुद अपनी आँख से', 'सबकी आवाज के पर्दे में', 'पिछला बाकी', समीक्षा पुस्तक–'आलोचना की पहली किताब'। काव्यगत विशेषताएँ– • अभ्यस्त जड़ताओं और अमानवीय स्थितियों के विरुद्ध सशक्त नैतिक स्वर की अभिव्यक्ति। • भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों के उल्लेख द्वारा पौराणिक संदर्भों को प्रतिपादित करना। • मानव कल्याण की भावना। **अथवा**	
	–	–	अथवा	**मलिक मोहम्मद जायसी : (1492–1542)** जन्म एवं जीवन परिचय – • सन् 1492, उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के निकटवर्ती गाँव 'जायस' में । • सूफी मत के अनुयायी। • विचार–व्यक्तित्व और कवित्त्व–कौशल से प्रभावित होकर अमेठी के तत्कालीन राजा रामसिंह ने अपने पास अमेठी बुला लिया।	

*These answers are meant to be used by evaluators
collegedunia.com India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				रचनाएँ– 'पद्मावत', 'अखरावट', ' 'आखिरी कलाम' आदि। काव्यगत विशेषताएँ– • प्रेमाख्यान काव्य–लेखन की परम्परा को आपने प्रौढ़ता प्रदान की। • सूफी सिद्धांतों का प्रतिपादन करने वाली रचनाएँ लिखीं। • लौकिक प्रेम के माध्यम से अलौकिक प्रेम की ओर अग्रसर होने वाली आध्यात्मिक चिंतन दृष्टि। भाषा – शैली– • सहज–सरस और जन–संवेदनीय भाषा शैली। • फारसी की मसनवी शैली का प्रयोग। • ठेठ अवधी। • दोहा – चौपाई। • लक्षणा, व्यंजना, अप्रस्तुत – योजना, बिंब–विधान, प्रतीकात्मकता, लोकोक्तियों, मुहावरों का प्रयोग। • अनुप्रास, रूपक, उपमा अलंकारों का प्रयोग।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
	—	—	अथवा	**अथवा** **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' :** **(1911–1987)** जन्म एवं जीवन परिचय – • सन् 1911 में उत्तर प्रदेश के जिला देवरिया के कुशीनगर में। • 'अज्ञेय' उपनाम से काव्य रचना की। • कॉलेज जीवन में वे क्रांतिकारियों के संपर्क में। • चार वर्ष जेल में, दो वर्ष नज़रबंद भी। • जोधपुर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर। • पुरस्कार–साहित्य अकादमी, भारत–भारती, भारतीय ज्ञानपीठ से सम्मानित किया। रचनाएँ– 'भग्नदूत', 'चिंता', 'इत्यलम', 'हरी घास पर क्षणभर, 'आँगन के पार द्वार', 'सुनहले शैवाल' (काव्य–संग्रह), 'शेखर : एक जीवनी', 'नदी के द्वीप', 'अपने–अपने अजनबी' (उपन्यास) 'त्रिशंकु', 'आत्मने पद' (निबंध), 'अरे यायावर रहेगा याद', 'एक बूँद सहसा उछली' (यात्रा वृत्तांत), 'विपथगा', 'परम्परा', 'शरणार्थी' (कहानी संग्रह) आदि।	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
13.	13.	13.	13.	काव्यगत विशेषताएँ– • प्रयोगवादी कवि। • रचनाओं में वैयक्तिकता का स्वर। • प्रकृति प्रेम एवं मानव–मन के अन्तर्द्वन्द्वों का प्रकट करना। • काव्य में पीड़ा बोध। • व्यंग्यात्मकता। • व्यक्ति की स्वतंत्रता का आग्रह। • समाज का महत्व। भाषा शैली– • शब्द–चयन के प्रति सजगता। • शिल्प नए प्रयोगों से परिपूर्ण। • नए प्रतीकों और नवीन उपमानों को अपनाया। • भाषा काव्य–विषयों एवं भावों के सर्वथा अनुकूल। **<u>खंड–घ</u>** पर्यावरण के विनाश के कारण– • बिना किसी सहायता के पर्वतारोहण की कला में निपुण होना। • अत्यन्त मेहनती और परिश्रमी। • स्वाभिमानी।	5

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				• धैर्य, आत्मानुशासन और आत्मबल से युक्त। • विषम परिस्थितियों में भी जीने की राह निकालने वाला। • हार न मानने वाला। • पशु–प्रेमी। – इन सभी विशेषताओं को अपनाना चाहेंगे क्योंकि ये विशेषताएँ वर्तमान जीवन की आवश्यकता हैं। – जीवन – संघर्ष से जूझने हेतु ये विशेषताएँ अनिवार्य। (अन्य तर्कसंगत उत्तर भी स्वीकार्य)	
अथवा	अथवा	अथवा		**अथवा** • नकारात्मक गुणों के बीच सकारात्मक और आशावादी जीवन–मूल्यों को अपनाना। • प्रतिशोध की भावना का अभाव। • क्षमा भाव। • कर्मशील व्यक्तित्व। • हार न मानना। • सहनशीलता। • आशावादिता। • दृढ़–संकल्प। • निर्णय लेने की क्षमता। • विषम परिस्थितियों में भी विचलित न	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
14.	14. क	14. क	14. क	होना। • माँ–बच्चे के संबंधों को चरितार्थ करना। • स्तनपान के प्रति जागरूकता। • ग्रामीण नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य • गर्मी और लू से बचने के घरेलू उपाय। • वर्षा–उपरांत ध्यान रखने योग्य सावधानियाँ व समस्याएँ। • प्रकृति, नारी और सौंदर्य भाव में निश्छलता। • ग्रामीण जीवन–शैली। • ग्रामीण लोक–कथाओं और लोक–मान्यताओं का परिचय। • स्त्री–सौंदर्य के अनुभव की सत्यता और नैसर्गिकता। (किन्हीं पाँच बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित)	5
	ख	ख	ख	मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसे पहले गिरता था। कारण– • विकास की औद्योगिक सभ्यता ने सब कुछ उजाड़ कर रख दिया। • पर्यावरण के विनाश से मालवा भी नहीं बच पाया। • वातावरण का गर्म होना– तापमान का बढ़ना।	5

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• कार्बन–डाइ–ऑक्साइड गैसों ने मिल कर धरती के तापमान को तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ा दिया। • वृक्षों की अन्धा–धुन्ध कटाई। • यातायात के साधनों की वृद्धि। अनेक स्थानों में यही स्थिति है। इस पर रोक लगाना आवश्यक है। (किन्हीं 5 बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) (विद्यार्थियों के उचित उत्तर भी स्वीकार्य।)	

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform